

अध्याय - 4 | प्राणी जगत

- मोलस्का संघ के प्राणियों की प्रमुख विशेषता क्या है?
 - कठोर शरीर
 - कोमल शरीर एवं कैल्सियमयुक्त कवच
 - बिना कवच के शरीर
 - केवल स्थलीय जीवन(B)

व्याख्या: मोलस्का संघ के प्राणियों का शरीर कोमल होता है और यह प्रायः कैल्सियमयुक्त कठोर कवच से आवृत रहता है।
- मोलस्का के शरीर के तीन मुख्य भाग कौन से होते हैं?
 - सिर, वक्ष, उदर
 - सिर, अंतरंग कुकुंभ, पेरीय पाद
 - शुंड, कॉलर, वक्ष
 - मुख, ग्रीवा, पुच्छ(B)

व्याख्या: मोलस्का का शरीर सिर, अंतरंग कुकुंभ (visceral hump) और पेरीय पाद (muscular foot) में विभाजित होता है।
- रेडुला (Radula) क्या है?
 - उत्सर्जन अंग
 - श्वसन अंग
 - भोजन चबाने का अंग
 - जनन अंग(C)

व्याख्या: रेडुला मोलस्का के मुख में पाई जाने वाली दंतिल जीभ जैसी संरचना है जो भोजन को चबाने में सहायक होती है।
- निम्नलिखित में से कौन-सा मोलस्का का उदाहरण नहीं है?
 - पाइला
 - पिंकटाडा
 - एस्ट्रेरियस
 - ऑक्टोपस(C)

व्याख्या: एस्ट्रेरियस (तारामीन) इकाइनोडर्मेटा संघ का सदस्य है, जबकि पाइला, पिंकटाडा और ऑक्टोपस मोलस्का के उदाहरण हैं।
- इकाइनोडर्मेटा में शरीर की मुख्य विशेषता क्या होती है?
 - कठोर बाह्यकंकाल
 - कैल्सियमयुक्त अंतःकंकाल और शूलयुक्त शरीर
 - बिना कंकाल के शरीर
 - चिकना और लंबा शरीर(B)

व्याख्या: इकाइनोडर्मेटा प्राणियों का शरीर शूलयुक्त होता है और इनमें कैल्सियमयुक्त अंतःकंकाल पाया जाता है।

- इकाइनोडर्मेटा में जल संवहनी तंत्र (Water Vascular System) का कार्य क्या है?
 - केवल उत्सर्जन
 - गमन, भोजन पकड़ना और श्वसन
 - केवल पाचन
 - केवल जनन(B)

व्याख्या: इकाइनोडर्मेटा प्राणियों में जल संवहनी तंत्र गमन, भोजन पकड़ने और श्वसन के लिए उपयोग किया जाता है।
- इकाइनोडर्मेटा में लार्वा की समस्मिति किस प्रकार की होती है?
 - अरीय समस्मिति
 - द्विपार्श्व समस्मिति
 - त्रिपार्श्व समस्मिति
 - असमस्मिति(B)

व्याख्या: इकाइनोडर्मेटा के वयस्कों में अरीय समस्मिति होती है जबकि इनके लार्वा में द्विपार्श्व समस्मिति पाई जाती है।
- निम्न में से कौन-सा इकाइनोडर्मेटा का उदाहरण है?
 - नेरीज
 - एकाइनस
 - लिमुलस
 - पाइला(B)

व्याख्या: एकाइनस (समुद्री अर्चिन) इकाइनोडर्मेटा का सदस्य है, जिसमें शूलयुक्त कैल्सियमयुक्त अंतःकंकाल पाया जाता है।
- हेमीकॉर्डेटा का शरीर किन भागों में विभाजित होता है?
 - सिर, वक्ष, उदर
 - शुंड, कॉलर, वक्ष
 - शुंड, उदर, पाद
 - सिर, कॉलर, पुच्छ(B)

व्याख्या: हेमीकॉर्डेटा जन्तुओं का शरीर तीन भागों में विभाजित होता है — शुंड (Proboscis), कॉलर और वक्ष (Trunk)।
- हेमीकॉर्डेटा में 'स्टोमोकॉर्ड' क्या है?
 - उत्सर्जन तंत्र
 - श्वसन अंग
 - पृष्ठरञ्जु जैसी संरचना
 - मस्तिष्क(C)

व्याख्या: हेमीकॉर्डेटा में स्टोमोकॉर्ड एक अर्धविकसित संरचना होती है जो पृष्ठरञ्जु के समान होती है, परंतु असली रञ्जु नहीं है।